THE NEW HOUSE

BLADEFREGA



नया घर

THE FAMILY · 10

शादी होते ही उन्होंने कोसेन्ज़ा में रहने का फ़ैसला किया।

वहीं मेरे पिता की आधिकारिक तैनाती थी, और कंपनी का सारा पत्राचार और सामान जिलेट वहीं भेजती थी।

मेरी माँ अपने पहले बच्चे की उम्मीद से थीं।

1960 के दशक में किसी को पहले से पता नहीं होता था कि बच्चा लड़का होगा या लड़की।

जो जाँचें उपलब्ध थीं, वे शरीर में दख़ल देने वाली और जोखिम भरी थीं, और कोई भी ऐसे बच्चे के साथ जुआ खेलने को तैयार नहीं था जो अभी पैदा भी नहीं हुआ था।

अहाहाहाह।

1963 का क्रिसमस आ गया।

जिलेट ने मेरे पिता का तबादला रेज्जो कैलाब्रिया करने की मंज़ूरी दे दी।

मेरी माँ ख़ुश थीं।

उनका बच्चा उसी जगह पैदा होगा जिसे वे सबसे अच्छी तरह जानती थीं।

उनका अपना शहर।

घर के गलियारों में एक मज़ाक़ लगातार घूमता रहता था:

"कितनी बड़ी त्रासदी होगी अगर वे मेरे बच्चे का पहचान-पत्र देखें और पता चले कि वह कोसेन्ज़ा में पैदा हुआ है। मेरे रिश्तेदार क्या सोचेंगे?"

अहाहाहाह।

उन्हें मेरे नाना-नानी के घर से सिर्फ़ दो सौ मीटर दूर एक फ़्लैट मिल गया।

सीधा-सा अनुमान यह था कि मेरी माँ को, जो सिर्फ़ सत्रह साल की थीं, पास ही परिवार का सहारा मिल जाएगा।

शायद ज़रूरत पड़ने पर कोई बच्चे को सँभालने में मदद कर दे।

लेकिन ज़िंदगी ने कोई और ही खेल खेलने का फ़ैसला किया।

माँ और बेटी का रिश्ता पहले से ही बिगड़ा हुआ था।

उनके पिता का मानना था कि परवरिश का मसला पिटाई से हल हो सकता है।

वह कभी काम नहीं आया।

एक बार भी नहीं।

बाद में जब मेरी माँ ने वही तरीक़ा अपने बच्चों पर आज़माने की कोशिश की, तब भी नतीजा बिल्कुल वही रहा।

नाकामी।

जवान।

ख़ूबसूरत।

दिलकश।

और पूरी शैतान।

वे नाश्ते से पहले सौ तरकीबें सोच लेतीं और रात के खाने से पहले सौ और कर डालतीं।

लेकिन वे मेरी माँ थीं।

मेरी बहन तेरेसा जनवरी 1964 में पैदा हुई।

एक लड़की।

कोई रिश्तेदार मिलने दौड़ा नहीं आया।

ज़्यादातर हफ़्तों बाद आए।

लगभग ऐसे, मानो कोई अंतिम संस्कार हुआ हो।

ऐसी थी दक्षिण इटली के एक शहर की संस्कृति, जहाँ समाज की असली पूँजी मर्दों को माना जाता था।

पुरुषों को।

उसी समाज को यह पता लगाने में और साठ साल लगने वाले थे कि हक़ीक़त किसी और तरह चलती है।

शायद मेरे साहित्य ने इस विषय को छेड़ा।

उसे समझना अलग बात है।

ख़ैर, तेरह महीने बाद मैं आया।

फ़रवरी 1965।

और अचानक कोसेन्ज़ा और आसपास के हर गाँव से तीनों ज्ञानी राजा प्रकट हो गए।

जश्न।

पुरुष वारिस आ चुका था।

पीढ़ी आगे बढ़ेगी।

मेरे पिता बड़े दमख़म वाले आदमी थे।

अगले आठ सालों में आसानी से दस बच्चे और हो सकते थे।

इसके बजाय, एक के बाद एक गर्भपात हुए।

मेरे पिता को कंडोम पसंद नहीं थे, क्योंकि उनका दावा था कि उनसे उनका संतुलन बिगड़ जाता है।

मेरी माँ को कोई और तरीक़ा पसंद था।

वे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करती थीं।

डॉक्टर समस्या सुलझा देता था।

एक दोपहर मेरी माँ हेयरड्रेसर के पास गईं।

जैसा ऐसी जगहों पर हमेशा होता है, राज़ की बातें होने लगीं।

किसी ने बताया कि मकान-मालकिन के बेटे की शादी होने वाली है और वे हमारी जगह कोई दूसरा किरायेदार ढूँढ रहे हैं।

मेरी माँ गणित में बहुत तेज़ थीं।

वे घर आईं, मेरे पिता को बुलाया और एक सीधा-सा समीकरण सामने रख दिया।

"सात दिन के अंदर नया घर ख़रीदो। हम जा रहे हैं।"

मेरे पिता हर महीने सिर्फ़ 750,000 लीरा कमाते थे।

लेकिन मेरी माँ की सिलाई-कढ़ाई के सामान और कपड़ों की एक दुकान थी।

मेरे दादा को बस एक फ़ोन, और पैसा अचानक हाज़िर हो गया।

प्रॉपर्टी ब्रोकर ने मेरे पिता को एक कच्चा, अधूरा फ़्लैट दिखाया।

मालिक सत्तर लाख लीरा माँग रहे थे।

मेरे पिता के खाते में ठीक सत्तर लाख लीरा थे।

एक लीरा भी ज़्यादा नहीं।

एक लीरा भी कम नहीं।

उन्होंने उसे ख़रीद लिया।

फ़्लैट में अंदरूनी दीवारें थीं।

और कुछ नहीं।

कोई पूरा ढाँचा नहीं।

कोई ढंग की सुविधा नहीं।

मेरी माँ उन्हें मार डालना चाहती थीं।

“दरवाज़ों, खिड़कियों और बाथरूम के बिना हम आख़िर सोएँगे किस जहन्नुम में?”

मेरे पिता हँस पड़े।

“मैं फ्रेगा हूँ।”

“मई 1973 तक हम नए घर में रह रहे होंगे।”

मार्च 1973 में दो और फ्रेगा आ गए।

जुड़वाँ।

बरसों बाद मेरे पिता कहा करते थे:

“लेकिन मैं तो वक़्त रहते बाहर निकल आया था। ये कमबख़्त अंदर घुसे कैसे?”

और मैं हमेशा वही जवाब देता, जबकि सब हँसते रहते।

“समस्या कभी अंदर जाने की नहीं होती, पापा। वह हिस्सा तो आसान है।”

“समस्या वक़्त रहते बाहर निकलने की होती है।”

“शायद आपका तालमेल गड़बड़ है।”

“आपकी बुलोवा घड़ी कुछ सेकंड पीछे चल रही है।”

अहाहाहाह।

उन्होंने कभी बैंक से उधार नहीं लिया।

कोई होम लोन नहीं।

कोई क़र्ज़ नहीं।

दोस्तों और जान-पहचान वालों ने उधार दिया।

और वे कभी अपनी ज़ुबान से नहीं फिरे।

30 मई 1973 को हम उसमें रहने आ गए।

सामान ढोने का ज़्यादातर काम सिर्फ़ मेरे पिता ने और मैंने किया।

दो दिन फ़र्नीचर ढोने के बाद, मैं आठ साल का था और मैंने अकेले ही एक वॉशिंग मशीन तीन मंज़िल ऊपर चढ़ाकर फ़्लैट के अंदर पहुँचाई।

आख़िरकार हम अपने घर में थे।

कोई हमें कभी बाहर नहीं निकालेगा।

कम से कम सिद्धांत तो यही था।

बरसों बाद मेरे माता-पिता चल बसे और मेरे एक भाई ने सब कुछ अपने क़ब्ज़े में कर लिया।

लेकिन वह एक अलग कहानी है।

अलविदा पापा।

फर्दिनांदो फ्रेगा
जिलेट मैन ⚔️